नए कोईलवर पुल से जुड़ जाएगी खगौल-बिहटा एलिवेटेड सड़क

राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार के सबसे बड़े एलिवेटेड कॉरिडोर खगौल-शिवाला-बिहटा का डीपीआर तैयार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री के स्तर पर इस बीस किमी लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर के एलायनमेंट को प्रेजेंटेशन के बाद स्वीकृति भी दे दी गई है। इसके निर्माण पर दो हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा और निर्माण कार्य तीन वर्षों में पूरा होगा। एनएचआई की देखरेख में इस पर काम होना है। रेलवे से इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन हस्तांतरण पर भी सहमति बन गई है। वहीं बख्तियारपुर-रजौली सड़क की फोरलेनिंग का डीपीआर भी तैयार हो चुका है। इस स्ट्रेच में आठ जगहों पर एलिवेटेड संरचना का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पथ निर्माण व ग्रामीण कार्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। इस क्रम में उन्हें यह जानकारी दी गई।

तीन जगहों पर चढ़ने-उतरने की सुविधा : खगौल-बिहटा-एलिवेटेड सड़क पर तीन जगहों से लोग चढ़-उतर सकेंगे। खगौल रेलवे स्टेशन के समीप से यह सड़क शुरू होगी। यहां रैंप बनाकर लोगों के चढ़ने-उतरने की व्यवस्था होगी। इसके आगे नौबतपुर क्रासिंग के पास रैंप होगा और फिर बिहटा एयरपोर्ट के समीप रैंप बनेगा। यह सड़क बिहटा से आगे बढ़कर नए कोईलवर पुल और बिहटा-सरमेरा सड़क होते हुए पटना रिंग रोड में मिल जाएंगी।

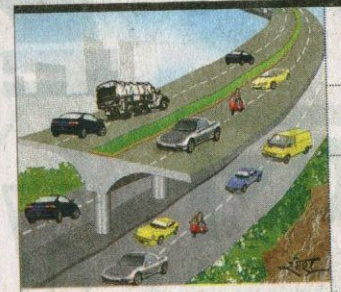

- दो हजार करोड़ रुपए का खर्च आएगा सड़क के निर्माण पर
- दानापुर स्टेशन, शिवाला और बिहटा के पास चढ़ने-उतरने की सुविधा

20 किलोमीटर लंबी सड़क के डीपीआर को मिली मंजूरी

03 सालों में पूरा होगा निर्माण का कार्य

- उच्च स्तर पर प्रेजेंटेशन के बाद एलायनमेंट स्वीकृत, एनएचआई की देखरेख में होगा काम
- रजौली-बख्तियारपुर फोर लेन सड़क पर आठ जगहों पर होगी एलिवेटेड संरचना
- 2020-21 तक सभी ग्रामीण पथों का निर्माण कार्य हो जाएगा पूरा

बख्तियारपुर-रजौली फोरलेन का मामला भी आगे बढ़ा

सीएम ने एनएच से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा के क्रम में बख्तियारपुर-रजौली सड़क की फोरलेनिंग पर भी चर्चा की। जानकारी दी गई कि इस सड़क के निर्माण का डीपीआर तैयार कर लिया गया है। आठ जगहों क्रमशः भागनबिगहा, वेना, मोरा तालाब, हरनौत बाजार व धमौल आदि में पांच सौ मीटक की एलिवेटेड संरचना इस सड़क का हिस्सा होगी। वहीं बिहारशरीफ बाजार में 2.8 किमी में एलिवेटेड सड़क बनेगी।

2020-21 में सभी ग्रामीण पथों का कार्य हो जाएगा पूरा

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण सड़कों के निर्माण और रख रखाव की भी समीक्षा की। ग्रामीण कार्य विभाग के सचिव विनय कुमार ने बताया कि वर्ष 2020-21 तक सभी ग्रामीण पथों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। सूबे में 1.24 लाख किमी सड़क का निर्माण कराया जाना है और इसमें 90 हजार, चार सौ किमी सड़क का निर्माण कराया जा चुका है। वित्तीय वर्ष के अंत तक कोई भी सड़क ऐसी नहीं बचेगी जो खराब हो।